# 17 ख़ुशबू रचते हैं हाथ

यह कविता वंचित लोगों के समृद्ध अवदान की संवेदनशीलता को रेखांकित करती है। महज़ समृद्धि के सौन्दर्य की अभ्यस्त दृष्टि से अलग यह कविता उसके पीछे सक्रिय श्रम की गरिमा का उद्घाटन करती है।

P3TICN

कई गलियों के बीच
कई नालों के पार
कूड़े-करकट
के ढेरों के बाद
बदबू से फटते जाते इस
टोले के अंदर
ख़ुशबू रचते हैं हाथ
ख़ुशबू रचते हैं हाथ।

उभरी नसोंवाले हाथ
घिसे नाख़ूनोंवाले हाथ
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से ख़ुशबूदार हाथ
गंदे कटे-पिटे हाथ
ज़ख्म से फटे हुए हाथ
ख़ुशबू रचते हैं हाथ।
ख़ुशबू रचते हैं हाथ

यहीं इस गली में बनती हैं
मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ
इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग
बनाते हैं केवड़ा, गुलाब, ख़स और रातरानी
अगरबत्तियाँ
दुनिया की सारी गंदगी के बीच
दुनिया की सारी ख़ुशबू

रचते रहते हैं हाथ
ख़ुशबू रचते हैं हाथ
ख़ुशबू रचते हैं हाथ।

– अरुण कमल

## शब्दार्थ

| | | |
|---|---|---|
| **ज़ख्म** | – | घाव |
| **रातरानी** | – | एक तरह का सुगंधित फूल |
| **मुल्क** | – | देश |
| **मशहूर** | – | प्रसिद्ध |
| **केवड़ा** | – | एक तरह का सुगंधित फूल |
| **खस** | – | पोस्ता, सुगंधित घास |

## प्रश्न–अभ्यास

### पाठ से

1. खुशबू रचने वाले हाथ कैसी परिस्थितियों में रह रहे हैं ?
2. 'खुशबू रचते हैं हाथ' से क्या तात्पर्य है ?

### पाठ से आगे

1. आपके विचार से इस कविता का मुख्य उद्देश्य क्या हो सकता है?
2. **व्याख्या कीजिए :-**

   यहीं इस गली में बनती हैं
   मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ
   इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग
   बनाते हैं केवड़ा गुलाब ख़स और रातरानी अगरबत्तियाँ

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–**

   (क) 'उभरी नसोंवाले हाथ' का क्या अर्थ है?
   (ख) 'पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ' का क्या अर्थ है?

4. अमीरी एवं ग़रीबी के खाई को कैसे पाटा जा सकता है–अपना सुझाव दीजिए।

### गतिविधि

1. पता कीजिए कि जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं, वहाँ का माहौल कैसा होता है ?
2. अगरबत्ती बनाना, माचिस बनाना, मोमबत्ती बनाना, पापड़ बनाना, मसाले का निर्माण करना जैसे लघु उद्योगों में से किसी एक के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए।
3. नवगीत के बारे में अपने शिक्षक से जानिए।
4. मजदूरों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की सूची बनाइए।
5. इस कविता से मिलती-जुलती कुछ रचनाएँ संकलित कीजिए और कक्षा में सुनाइए।